Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In Jun 2016

जीजेयू में दाखिले के लिए अब तक 5500 ऑनलाइन पंजीकरण

दस हजार पहुंच सकती है संख्या, विद्यार्थियों की पहली पसंद बना

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में इस वर्ष दाखिलों के प्रति रुझान बढ़ा है। मंगलवार शाम तक विश्वविद्यालय में दाखिलों के लिए लगभग 5500 ऑनलाइन पंजीकरण हो चुके थे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि रुझान को देखते हुए इस वर्ष गत वर्षों की अपेक्षा अधिक दाखिला आवेदन आने की संभावना है। अनुमान है कि यह संख्या दस हजार के आसपास होगी।

पांच नये कोर्स किये शुरू

इस वर्ष विश्वविद्यालय ने पांच नए कोर्स ड्यूअल डिग्री बीएससी ऑनर्स, एमएससी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स, बायोटेक्नोलॉजी व एमएससी इकोनॉमिक्स शुरू किए हैं। इन कोर्सों में ड्यूअल डिग्री कोर्सों में 450 तथा एमएससी इकोनॉमिक्स कोर्स में 30 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

मिशन एडमिशन

देश भर में 24वां स्थान

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस बार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की नेशनल इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग फ्रेमिंग द्वारा विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा ग्रहण करवा रहे विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में देशभर में 24वां स्थान दिया गया है। चंडीगढ़ यूनियन टेरिटोरी को छोड़कर हरियाणा राज्य, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व जम्मू एंड कश्मीर राज्यों में जीजेयू पहले स्थान पर रहा है। देशभर के तकनीकी विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय का पहला स्थान है।

शिक्षा के साथ अन्य सुविधाएं भी

जीजेयू में शिक्षा के साथ-साथ खेल सांस्कृतिक व पुस्तकालय व प्रयोगशाला की सुविधाएं भी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की हैं। इसका फायदा विश्वविद्यालय को मिल रहा है। विवि की एमबीए पार्ट टाइम (ईवनिंग) तथा विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में एमटेक ईई, इइई तथा सिविल में दाखिलों की सूचना विवि की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.जीजेयूएसटी.एसी.इन पर उपलब्ध कराई जाएगी। विवि के कंप्यूटर सेंटर के हेड मुकेश कुमार अरोड़ा की देख रेख में ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। यहां पर निःशुल्क आवेदन करने की व्यवस्था भी है, जिसका विद्यार्थी व अभिभावक फायदा उठा सकते हैं।

इन पाठ्यक्रमों में हो रहे दाखिले

एमटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इंवायर्नमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमटेक मेकेनिकल इंजीनियरिंग, एमटेक प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, एमटेक नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एमटेक ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, एमटेक फूड इंजीनियरिंग, एमटेक जियो इंफॉमेटिक्स, एमटेक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, मास्टर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी द्वितीय वर्ष (एलईईटी), मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस द्वितीय वर्ष (एलईईटी), एमएससी साइकॉलोजी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी इंवायर्नमेंटल साइंस, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी मास कम्युनिकेशन, एमएससी मैथमेटिक्स, एमएससी फिजिक्स, एमएससी इकोनॉमिक्स, एमबीए, एमकॉम, मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी तथा बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी, ड्यूअल डिग्री बीएससी आनर्स - एमएससी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स, बायोटेक्नोलॉजी।

एमटेक कोर्स में भी होंगे दाखिले

विवि के डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने बताया कि विवि व संबद्ध महाविद्यालयों के एमटेक कोर्सिज के दाखिले इस बार विवि करेगा। इन दाखिलों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कॉमन प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। बीटेक, बीटेक लीट इंजीनियरिंग, बी आर्क तथा एमसीए में दाखिले हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा समिति पंचकूला द्वारा किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में एमबीए के दाखिले भी हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा समिति पंचकूला के माध्यम से किए जाएंगे।

अमर उजाला 11/6/16

वर्तमान युग में विश्व में तेजी से हो रहा शोध और तकनीक का विकास : प्रो. टंकेश्वर

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांस्ड लर्निंग इंट्रानेट का उद्घाटन

भास्कर न्यूज | हिसार

वर्तमान युग तेजी से बदल रहा है, हर क्षेत्र में आए दिन नए शोध व तकनीक सामने आ रही हैं। यह बात जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कंप्यूटर सेंटर में नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) इंट्रानेट के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि एनपीटीईएल इंट्रानेट पर देश के जाने-माने विषय विशेषज्ञों के 19 विभिन्न विषयों पर 16000 हजार से अधिक रिकॉर्डिड वीडियो लेक्चर उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को इसका अत्यंत फायदा होगा। विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक विभिन्न विषयों की बारीकियों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। एनपीटीईएल इंट्रानेट की सेवा विश्वविद्यालय के सभी विभागों में उपलब्ध है जिसका विभाग के शिक्षक, शोधार्थी व शिक्षक भरपूर उपयोग कर सकते हैं। एनपीटीईएल इंट्रानेट कार्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डा. एसएस जोशी व कंप्यूटर सेंटर के हेड मुकेश कुमार अरोड़ा की देख-रेख में किया जा रहा है। इस अवसर पर नीरज यादव, सत्यपाल, मुकेश कुमार, नरेन्द्र, सोमदत्त, प्रोमिला, सुमन, पूजा, राम विकास, कुलदीप, दर्पण, राम कला व भारत भूषण उपस्थित थे।

जीजेयू में पुस्तकालय व कंप्यूटर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में इंट्रानेट का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

दैनिक भास्कर 11/6/16

जीजेयू में (एनपीटीईएल) इंट्रानेट का उद्घाटन

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर में नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) इंट्रानेट का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि एनपीटीईएल इंटरानेट पर देश के जाने-माने विषय विशेषज्ञों के 19 विभिन्न विषयों पर 16000 हजार से अधिक रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को इसका फायदा होगा। विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक विभिन्न विषयों की बारीकियों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। एनपीटीईएल इंटरानेट की सेवा विश्वविद्यालय के सभी विभागों में उपलब्ध है, जिसका विभाग के शिक्षक, शोधार्थी व शिक्षक भरपूर उपयोग कर सकते हैं। एनपीटीईएल इंटरानेट कार्यक्रम विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एसएस जोशी व कंप्यूटर सेंटर के हेड मुकेश कुमार अरोड़ा की देखरेख में किया जा रहा है। इस अवसर पर नीरज यादव, सत्यपाल, मुकेश कुमार, नरेंद्र, सोमदत्त, प्रोमिला, सुमन, पूजा, राम विकास, कुलदीप, दर्पण, राम कला व भारत भूषण उपस्थित थे।

जीजेयू में आयोजित कार्यक्रम में इंट्रानेट का उद्घाटन करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

परिणाम घोषित

जीजेयू विवि के परीक्षा नियंत्रक एसएल सैनी ने बताया कि दिसंबर 2015 में एमसीए तृतीय सेमेस्टर (रीअपीयर) बैच 2011 से 2013, एमसीए पंचम सेमेस्टर (री अपीयर) ब्रैच 2011 से 2012, एमबीए (आईबी) द्वितीय सेमेस्टर (री अपीयर) बैच 2013, एमबीए (मार्केटिंग) द्वितीय सेमेस्टर (रीअपीयर) बैच 2013, एमएससी (मैथेमेटिक्स) प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2015, एमएससी (मैथेमेटिक्स) प्रथम सेमेस्टर (री अपीयर) बैच 2012 से 2014, एमएससी (फिजिक्स) चतुर्थ सेमेस्टर (री अपीयर) बैच 2012, एमबीए प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2015, एमएससी (केमिस्ट्री) चतुर्थ सेमेस्टर (री अपीयर) बैच 2012, एमटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग) आदि का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

अमर उजाला 11/6/16

गुजवि की कंप्यूटर लैब होगी अपग्रेड

विवि में रूसा की ग्रांट से 350 बच्चों के लिए लगाए जाएंगे कंप्यूटर

जागरण संवाददाता, हिसार : कंप्यूटर सेंटर में कंप्यूटर की कमी पिछले कुछ सालों से खल रही थी। लाइब्रेरी के भवन में बने कंप्यूटर लैब बच्चों और परीक्षाओं के दौरान छोटी पड़ रही थी। कंप्यूटर लैब की इस स्थिति को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया। मगर, रूसा से मिली करोड़ों रुपये की ग्रांट में कुलपति ने सबसे पहले कंप्यूटर लैब के निर्माण का प्रपोजल पास किया है। प्रपोजल पास होने के साथ ही कंप्यूटर लैब का डिजाइन बनाने का काम भवन निर्माण शाखा ने शुरू कर दिया है। अब देखना यह है कि भवन निर्माण शाखा की ओर से कितनी जल्दी कंप्यूटर लैब बनाने का काम शुरू किया जाता है।

गुजवि की लाइब्रेरी के एक कौने में कंप्यूटर लैब मौजूदा समय में चल रही है। इसके संचालक मुकेश कुमार है जो कंप्यूटर लैब छोटी होने को लेकर कई बार कुलपति सहित अन्य अधिकारियों से पत्र व्यवहार कर चुके है। उनकी मांग को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने गंभीरता से लिया है और नई लैब बनाने की अनुमति दी है। इससे पूर्व कुलपति ने स्वयं कम्प्यूटर लैब का मुआयना किया था और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जाना था। जिसके बाद उन्होंने प्राथमिक दृष्टि से कंप्यूटर लैब बनाने की सोची।

यह होगा लाभ

- कंप्यूटर सेटर में 350 कम्प्यूटरों की व्यवस्था होने से छात्रों को कंप्यूटर खाली होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एक समय में बड़ी संख्या में छात्र कम्प्यूटर की सुविधा ले पाएंगे।
- नये भवन में कंप्यूटर सेंटर को कई अन्य सुविधाओं से भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। जिसको लेकर प्रशासन की ओर से तैयारी की जा रही है।
- कंप्यूटर सेंटर को अलग भवन मिलने के बाद विश्वविद्यालय लाइब्रेरी को बड़ा कर सकता है।

रूसा की ग्रांट से पहला प्रोजेक्ट नये कंप्यूटर सेंटर का निर्माण करना होगा। इसको लेकर काम शुरू कर दिया गया है। एक से दो करोड़ के बीच नई लैब का खर्च आएगा। भविष्य की योजनाओं को देखते हुए कदम उठाया गया है।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

यह आ रही थी परेशानियां

- गुजवि में छह हजार के करीब छात्र है। ऐसे में इंटरनेट प्रयोग करने के लिए छात्रों को घंटे के हिसाब से स्थान दिया जाता है। ऐसे में बहुत से छात्र स्थान नहीं मिलने के चलते अपने अति महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पूरा नहीं कर पाते है।
- गुजवि में सरकारी व प्रशासनिक परीक्षाओं के दौरान भारी परेशानी उठानी पड़ती है। 100 के करीब कम्प्यूटर होने से दोपहर में खत्म होने वाली परीक्षा देर शाम तक खत्म हो पाती है। जिससे परीक्षार्थियों के साथ शिक्षकों भी परेशानी का सामना करना पडता है।
- छात्र संगठन भी कंप्यूटर सेंटर को बड़ा करने की मांग लगातार उठा चुके है।
- साइंस के कोर्सों को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में आधुनिकीकरण के चलते छात्रों को कंप्यूटर लैब की जरूरत ज्यादा रहेगी। कंप्यूटर सेंटर में छात्रों, शिक्षकों और पीएचडी स्कॉलर के लिए व्यवस्था करनी होती है। ऐसे में कोर्सों के बढ़ने के साथ कंप्यूटर सेंटर को बढ़ा करने की जरूरत है।

दैनिक जागरण 13/6/16

कार्यक्रम | 'जन भागीदारी द्वारा जलभृत प्रबंधन एवं स्थानीय भूजलीय मुद्दे' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

पानी प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी : वीसी

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि अतीत में पानी मनुष्य के एक स्थान से दूसरे स्थान पर पलायन का कारण बनता रहा है। शीघ्र ही पानी प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया गया तो फिर से यह स्थिति पैदा हो सकती है। प्रो. टंकेश्वर कुमार सोमवार को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में भारत सरकार के केन्द्रीय भूजल बोर्ड द्वारा 'जन भागीदारी द्वारा जलभृत प्रबंधन एवं स्थानीय भूजलीय मुद्दे' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनके खट्टर व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर थे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंसान की पहली जरूरत हवा और पानी है। हवा-पानी के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है।

■ खेती को लेकर ऐसी तकनीकें खोजनी होंगी जो पानी प्रबंधन के अनुकूल हों, हवा-पानी के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है

उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पानी प्रबंधन की दिशा में ठोस व तेजी से कदम उठाए जाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इसके लिए आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि खेती को लेकर ऐसी तकनीकें खोजनी होंगी जो पानी प्रबंधन के अनुकूल हों।

हिसार। जलभृत प्रबंधन एवं स्थानीय भूजलीय मुद्दे' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की सम्बोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

तालाबों के संरक्षण से होगा फायदा : पुंडीर

डा. अनिल कुमार पुंडीर ने अपने सम्बोधन में कहा कि तालाबों का संरक्षण करके हम पानी प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकते हैं। उन्होंने सलाह दी कि किसान अपनी खेतीहर भूमि के कुछ भाग में तालाब स्थापित कर लें तो यह किसानों के लिए अति लाभकारी हो सकता है। केन्द्रीय भूजल बोर्ड के वैज्ञानिक संजय पांडेय ने बताया कि समुचित विकास के लिए पानी का प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से आए डा. शर्मा ने खेती व तकनीक के मिश्रण पर जोर दिया। बोर्ड के वैज्ञानिक तरूण मिश्रा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया तथा सहायक कैमिस्ट ऋषिराज ने मंच संचालन किया।

तालाबों के संरक्षण से फायदा

एनके खट्टर ने अपने सम्बोधन में कहा कि केवल सही प्रबंधन के कारण ही हम पानी की अधिकतर बर्बादी को रोक सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश में ही एक क्षेत्र में भूजल खतरनाक रूप में उपर आ रहा है जबकि दूसरे क्षेत्र में खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है। इस दिशा में तुरन्त प्रभावी कदम उठाए जाने आवश्यक हैं अन्यथा भारी सकंट से जूझना पड़ेगा।

हरिभूमि 14/6/16

उपलब्धि : परीक्षा शाखा ने पंद्रह दिन में निकाला रिजल्ट

पहली बार ऑन द स्पॉट मार्किंग

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने सोमवार को नया इतिहास रचा। पहली बार ऑन द स्पॉट मार्किंग करवाकर परीक्षा शाखा ने पंद्रह दिनों के अंदर तीन नियमित कोर्सों का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। पिछले दस सालों के विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार संभव हो पाया है। परीक्षा शाखा की ओर से विशेष रणनीति बनाने से यह संभव हुआ है। आज से पहले तक तीन से चार महीनों में परीक्षा परिणाम घोषित किया जाता रहा है। मगर, विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने छात्रों की परीक्षा परिणाम देरी से आने की मांग को गंभीरता से लेते हुए यह इतिहास रच डाला।

परीक्षा नियंत्रक एसएल सैनी ने बताया कि शिक्षकों की मदद से ऑन द स्पॉट उत्तरपुस्तिकाओं की जांच करवाई गई। साथ ही लगातार शिक्षकों से संपर्क साधा गया है और उन्हें जल्द से जल्द छात्रों के अंकों की सूची मुहैया करवाने की अपील की गई।

कुलपति को परीक्षा परिणाम सौंपते परीक्षा नियंत्रक एसएल सैनी।

शिक्षकों ने इसे गंभीरता से लेते हुए उत्तरपुस्तिका जांच कर लिस्ट भेज दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में एमएससी केमेस्ट्री अंतिम वर्ष की परीक्षा 27 मई को संपन्न हुई थी। एमएससी फूड टेक्नोलॉजी अंतिम वर्ष तथा एमएससी पर्यावरण साइंस अंतिम वर्ष की परीक्षाएं 20 मई को संपन्न हुई थी, जिनका परीक्षा परिणाम बेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। एसएल सैनी ने कहा कि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशों के कारण ही शीघ्र परीक्षा परिणाम की घोषणा संभव हो पाई है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान का प्रथम दायित्व विद्यार्थियों का हित है।

समय-समय पर परीक्षा परिणाम मिलने से विद्यार्थियों को बहुत अधिक फायदा मिलता है। उन्होंने इसके लिए विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा को बधाई दी। इस अवसर पर गैरशिक्षक कर्मचारी कल्याण संघ के प्रधान राजबीर सिंह मलिक, परिणाम शाखा के अधीक्षक देवेन्द्र कुमार व प्रोग्रामर रामकला पूनिया उपस्थित थे।

दैनिक जागरण 14/6/16

अब गुजवि में करवाएं शोध सैंपल की जांच

तीन करोड़ से सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटल लैब बनकर तैयार

सुनील बैनीवाल , हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटल लैब बनकर लगभग तैयार हो चुकी है। फिलहाल इसमें फर्नीचर आदि लगना है। ऐसे में दो तीन माह में यह शोद्यार्थियों व शिक्षकों के प्रयोग के लिए खोल दी जाएगी। इस लैब में दस अलग-अलग विषयों में टेस्टिंग में काम आने वाली अत्याधुनिक मशीनें लगी हैं। गुजवि के अलावा यहां देशभर से शिक्षक व शोद्यार्थी अपने शोध सैंपलों की जांच करवा सकते है। साथ ही यह लैब औद्योगिकी इकाइयों के लिए भी होगी। औद्योगिकी इकाइयां भी यहां अपने सैंपल की जांच करवा सकेंगी। प्रदेश में पहला ऐसा विश्वविद्यालय होगा, जहां इस तरह की लैब स्थापित की गई है। इस लैब में अलग-अलग 16 लैब होंगी, जिनमें फिजिक्स,

सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटल लैब की इमारत।

केमिस्ट्री , फूड टेक्नोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, रेडियो इकोलॉजी, बायो नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बायोमेडिकल, फार्मास्यूटिकल साइंस व अन्य विषयों से जुड़ी मशीनें स्थापित की जाएंगी। लैब तैयार करने में करीब दो से तीन करोड़ रुपये की लागत आई है।

ये है खास उपकरण

मशीन	औद्योगिक इकाइयों के लिए फीस	खासियत
यूवी -वीआइएस-एनआइआर स्पेक्ट्रोमीटर	₹400	घुलनशील तत्व किन रंगों की जांच की जाती है।
एफटीआइआर स्पेक्ट्रोमीटर (परकीन एलमर)	₹500	ड्रग्स के अलग अलग तत्वों और उनकी क्वालिटी के बारे में जाना जाता है।
एटोमिक एबसोप्रिएशन स्पेक्ट्रोमीटर (जीबीसी)	₹300 से 800	तत्व के पार्ट पर मिलियन के हिस्से की जांच इससे की जाती है। एडवांस मशीनों में अब पार्ट पर बिलियन व ट्रिलियन तक की मशीन आ गई है।
एचपीसीएल (वाटर्स)	₹1000	हाई परफोरमेंस लिक्विड। उदाहरण के तौर पर एक टेबलेट में कौन कौन से मिश्रण है। उसका पता इस चीज से लगाया जा सकता है।
लायोफिलिजर (क्रीस्ट)	₹1000	इस मशीन के माध्यम से कम तापमान पर तत्वों को पता लगाया जाता है। बायो प्रोडेक्ट की जांच के दौरान इसका प्रयोग किया जाता है।
डिफ्रेशियल सेकेनिग क्लेरोमीटर (टीए इंस्ट्रूमेंट)	₹1000	इस उपकरण से थर्मल स्टडी की जाती है। तापमान का किस चीज पर कितना प्रभाव पड़ता है।
एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटर (400 मेगाहर्ट बरूकर)	₹1000	1डी , 1500 रुपये 2 डी यह न्यूक्लीयर मैग्नेटिक रेजुलेशन स्पेक्ट्रोमीटर है। इससे स्मॉल मॉलीक्यूलर की पहचान की जाती है। इसी का एडवांस वर्जन एमआरआइ है।

दैनिक जागरण 16/6/16

पदोन्नति से जुड़े एजेंडों पर मुहर

कार्यकारी परिषद की बैठक में एजेंडे पर चर्चा करते कुलपति व अन्य।

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की कार्यकारी परिषद् की 73वीं बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने किया। बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंडे पारित किए गए। शिक्षकों की पदोन्नति से जुड़े सभी एजेंडों पर मुहर लगा दी। डॉ. दिनेश ढींगड़, डॉ. तिलक सेठी, डॉ. रवीश गर्ग व डॉ. उमेश आर्य को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया है, जबकि डॉ. राकेश बहमनी व डॉ. सुरेश मित्तल एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसके अतिरिक्त बलबीर सिंह व मंजूबाला को उपकुलसचिव तथा दिनेश कुमार व सुशीला कुमारी को सहायक कुलसचिव के रूप में पदोन्नति मिली हैं। इसके अतिरिक्त भी कुछ शिक्षकों को उच्चत्तर ग्रेड दिया गया है। बैठक में कुलपति डॉ. आरएस शर्मा, एलएन गुप्ता, डॉ. एलसी गुप्ता, प्रो. जेऐ खान, केसी अरोड़ा, प्रो. दिनेश चुटानी, प्रो. मिलिन्द पारले, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसीराम बिश्नोई, डॉ. देवेन्द्र मोर, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार तथा डॉ. सुनील कुमार उपस्थित थे।

आज समाज 17/6/16

गुजवि के 4 शिक्षक पदोन्नत

हिसार. बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार/16 जून/रिपोर्टर

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार की कार्यकारी परिषद् की 73वीं बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

बैठक में कई एजेंडे पारित किए गए। शिक्षकों की पदोन्नति से जुड़े सभी एजेंडों पर मुहर लगा दी। डॉ. दिनेश ढींगड़ा, डॉ. तिलक सेठी, डॉ. रवीश गर्ग व डॉ. उमेश आर्य को प्रोफैसर के पद पर पदोन्नत किया गया है। जबकि डॉ. राकेश बहमनी व डॉ. सुरेश मित्तल ऐसोसिएट प्रोफैसर के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसके अतिरिक्त बलबीर सिंह व मंजू बाला को उपकुलसचिव तथा दिनेश कुमार व सुशीला कुमारी को सहायक कुलसचिव के रूप में पदौन्नती मिली है। इसके अतिरिक्त भी कुछ शिक्षकों को उच्चत्तर ग्रेड दिया गया है। बैठक में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आरएस शर्मा, एलएन गुप्ता, डॉ. एलसी गुप्ता, प्रो. जेऐ खान, केसी अरोड़ा, प्रो. दिनेश चुटानी, प्रो. मिलिन्द पारले, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, डॉ. देवेन्द्र मोर, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार तथा डॉ. सुनील कुमार उपस्थित थे।

नभछोर 16/6/16

कवायद : कुलपति की अध्यक्षता में हुई वार्षिक पुस्तकालय बैठक में लिया गया फैसला

गुजवि में नई पुस्तकों के लिए 50 लाख मंजूर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में 50 लाख रूपये की नई पुस्तकें खरीदी जाएंगी। इनमें ई-पुस्तकें भी शामिल होंगी। यह निर्णय वीरवार को विश्वविद्यालय की वार्षिक पुस्तकालय बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

बैठक में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को मिले अनुदान को आवंटित किया गया। बैठक का संचालन पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. एसएस जोशी ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का पुस्तकालय उस विश्वविद्यालय की न केवल उसकी पहचान होता है बल्कि विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों के लिए ज्ञान का मुख्य स्रोत भी होता है। किसी भी संस्थान का पुस्तकालय अति समृद्ध होना अत्यंत आवश्यक है। पुस्तकालय को नवीनतम पुस्तकें मिलने से विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को अत्यंत लाभ होगा। पुरानी पुस्तकों के नवीनतम वर्जन व नई पुस्तकें पढ़ने को मिलेंगी। डॉ. एसएस जोशी ने बताया कि बैठक में पुस्तकालय को और अधिक समृद्ध करने के लिए नई तकनीकों व संभावनाओं पर चर्चा की गई। एनपीटीईएल कार्यक्रम के तहत 16184 वीडियो सामग्री के अधिक से अधिक उपयोग के लिए विभागाध्यक्षों व शिक्षकों से अनुरोध किया गया। एनपीटीईएल विडियो सामग्री पुस्तकालय के सर्वर पर इंटरनेट के तहत उपलब्ध होगी। इसके माध्यम से इनका प्रयोग करने वालों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की सामग्री को पढ़ने का मौका मिलेगा तथा गुणवत्ता आधारित शिक्षा पद्धति को समझने में सहायता मिलेगी। बैठक में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी साईंस विभाग के प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता व पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला की पूर्व अध्यक्ष डॉ. सरोज बाला ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। बैठक में विश्वविद्यालय के अधिकतर विभागाध्यक्ष, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष नरेन्द्र चौहान व प्रोमिला उपस्थित थे।

गुजवि में वार्षिक पुस्तकालय बैठक की अध्यक्षता करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं उपस्थित सदस्यगण। जागरण

शिक्षकों को मिली पदोन्नति

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की 73वीं बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंडे पारित किए गए। इस दौरान शिक्षकों की पदोन्नति से जुड़े सभी एजेंडों पर मुहर लगा दी। इसके तहत डॉ. दिनेश ढींगड़ा, डॉ. तिलक सेठी, डॉ. रवीश गर्ग व डॉ. उमेश आर्य को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया है, जबकि डॉ. राकेश बहमनी व डॉ. सुरेश मित्तल ऐसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया है।

इसके अतिरिक्त बलबीर सिंह व मंजू बाला को उप कुलसचिव तथा दिनेश कुमार व सुशीला कुमारी को सहायक कुलसचिव के रूप में पदोन्नति मिली है। बैठक में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ओएस शर्मा, एलएन गुप्ता, डॉ. एलसी गुप्ता, प्रो. जेए खान, केसी अरोड़ा, प्रो. दिनेश चुटानी, प्रो. मिलिन्द पारले, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, डॉ. देवेन्द्र मोर, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार तथा डॉ. सुनील कुमार उपस्थित थे।

बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य।

दैनिक जागरण 17/6/16

जीजेयू में शुरू हुए ड्यूल डिग्री कोर्स में 1900 से अधिक आवेदन

27 को प्रवेश परीक्षा, हरियाणा का एकमात्र विश्वविद्यालय, जहां ड्यूल डिग्री कोर्स हुए हैं शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में इसी सत्र से आरंभ हुए ड्यूल डिग्री कोर्स में वीरवार शाम नौ बजे तक 1900 से अधिक आवेदन आए हैं। 16 जून आवेदन की अंतिम तिथि थी। वहीं जिन विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन के साथ भुगतान कर दिया है, लेकिन फॉर्म नहीं अप्लाई किया है, वे विद्यार्थी 17 जून रात 12 बजे तक फॉर्म भर कर सकते हैं। बीएससी-एमएससी के चार ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए विश्वविद्यालय में कुल 120 सीटें निर्धारित की गई हैं। दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा 27 जून को आयोजित होगी। जीजेयू हरियाणा की एकमात्र ऐसी यूनिवर्सिटी है, जहां ड्यूल डिग्री कोर्स शुरू किया गया है।

जीजेयू में इसी सत्र से बीएससी-एमएससी के चार ड्यूल डिग्री कोर्स शुरू किए गए हैं, जिनमें बीएससी ऑनर्स इन बॉयोटेकनोलॉजी-एमएससी बायोटेकनोलॉजी, बीएससी ऑनर्स इन फीजिक्स-एमएससी फिजिक्स, बीएससी ऑनर्स इन केमिस्ट्री- एमएससी केमिस्ट्री, बीएससी ऑनर्स इन मैथ्स- एमएससी मैथ्स शामिल हैं। प्रत्येक कोर्स में कुल 30 सीटें निर्धारित की गई हैं। आवेदन भुगतान की अंतिम तिथि 16 जून की शाम 9 बजे तक 1900 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन भुगतान कर चुके थे। रात 12 बजे तक यह संख्या 2000 के करीब पहुंचने की संभावना थी। इस प्रकार कुल 120 सीटों के लिए करीब 2000 विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा देंगे। विद्यार्थियों को ऑनलाइन अप्लाई करने के साथ ही एडमिट कार्ड भी ऑनलाइन ही जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही सेंटर भी बता दिया गया है। सभी विद्यार्थियों की परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में ही होगी। वहीं जो विद्यार्थी अपने एप्लीकेशन फॉर्म में किसी भी प्रकार की गलती को सुधारना चाहता है तो वह विश्वविद्यालय में 21 जून तक एप्लीकेशन मेल कर सकता है।

जीजेयू हरियाणा में एकमात्र यूनिवर्सिटी है, जहां यह ड्यूल डिग्री कोर्स शुरू किया गया है। पहली बार शुरू किए गए इस ड्यूल डिग्री कोर्स में बड़ी संख्या में आवेदन आना विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। यूनिवर्सिटी के प्रति विद्यार्थियों का यह रुझान साबित करता है कि जीजेयू नेक्स्ट जन टेक्निकल यूनिवर्सिटी है। हम चाहते हैं कि अगली बार यह संख्या और बढ़े। - प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू

जीजेयू लाइब्रेरी के लिए खरीदेगा 50 लाख की पुस्तकें

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू पुस्तकालय में विद्यार्थियों को अब पुरानी पुस्तकों के नए वर्जन भी पढ़ने को मिलेंगे। इसके लिए जीजेयू ने लाइब्रेरी में 50 लाख की पुस्तकें खरीदी जाएंगी। इन पुस्तकों में हार्डकॉपी के अलावा ई-पुस्तकें भी शामिल होंगी। यह निर्णय वीरवार को जीजेयू की वार्षिक पुस्तकालय की बैठक में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा विभाग के तहत मिली राशि को वीरवार को आवंटित किया गया। बैठक में लाइब्रेरी को 50 लाख की राशि आवंटित की गई। इस राशि से लाइब्रेरी में नई पुस्तकें व ई-पुस्तकें खरीदी जाएंगी।

पुस्तकालय के अध्यक्ष एसएस जोशी ने बताया कि बैठक में पुस्तकालय को अधिक समृद्ध बनाने पर चर्चा की गई। एनपीटीईएल कार्यक्रम के तहत 16184 वीडियो सामग्री के अधिक उपयोग के लिए विभागाध्यक्षों व शिक्षकों से अनुरोध किया। एनपीटीईएल वीडियो सामग्री पुस्तकालय के सर्वर और इंटरनेट के तहत उपलब्ध होंगी। इस मौके पर केयूके के लाइब्रेरी साईंस विभाग के प्रो. दिनेश कुमार, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला की पूर्वाध्यक्ष सरोजबाला ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

अमर उजाला 17/6/16

जैव विज्ञान क्षेत्र में शोध बढ़ाएगा गुजवि

मोहाली के सीआइएबी के साथ किया एमओयू, कौशल का करेंगे आदान-प्रदान

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं नवोन्मेषी एवं अनुप्रयुक्त जैव-प्रसंस्करण केंद्र (सीआइएबी) मोहाली, जैव विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। इस संबंध में शुक्रवार को दोनों संस्थानों ने अपने समझौते को विस्तारित किया है। एमओयू पर गुजवि की तरफ से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने और सीआइएबी की तरफ से चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर डॉ. आरएस सांगवान ने हस्ताक्षर किए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर व डीन फेकल्टी ऑफ इन्वायर्नमेंटल एंड बायोसाइंसिज एंड टेक्नोलॉजी प्रो. बीएस खटकड़ उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह एमओयू से शिक्षार्थियों व शोधार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक होगा। इससे दोनों संस्थानों में कौशल विकास व क्षमता संवर्धन में बढ़ोतरी होगी। दोनों ही संस्थानों के शोधार्थी व शिक्षक शोध के क्षेत्र में अपने कौशल का आदान-प्रदान करेंगे तथा एक-दूसरे आधारभूत ढांचे को प्रयोग कर सकेंगे, जिससे गुणवत्ता आधारित शोध को बढ़ावा मिलेगा।

प्रो. आरएस सांगवान ने बताया कि दोनो संस्थान एक दूसरे की सुविधाओं के प्रयोग के साथ-साथ सांझे रिसर्च प्रोग्राम भी चलाएंगे तथा संस्थान उद्योगों व आम आदमी से जुड़ी अनेक समस्याओं का समाधान तलाशने का प्रयास करेंगे।

विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

नवोन्मेषी एवं अनुप्रयुक्त जैव-प्रसंस्करण केंद्र (सीआइएबी) मोहाली के साथ हुई समझौता भविष्य में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के लिए बड़ा कारगर साबित होगा। इस समझौते से शोधार्थियों व छात्रों को बेहद लाभ होगा, क्योंकि सीआइबी औद्योगिकी इकाइयों के बायोमेडिकल वेस्ट से कौन से प्रोडक्ट बना जाए सकते है। उसका कैसे सदुपयोग किया जा सकता है।

गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं नवोन्मेषी एवं सीआईएबी के चीफ एग्जयुटिव ऑफिसर डॉ. आरएस सांगवान एमओयू का आदान-प्रदान करते हुए।

शोधार्थियों के लिए यह होगा खास

- बायोमेडिकल वेस्ट इस समय देश में सबसे बड़ी समस्या बना गया है। औद्योगिक इकाइया बायोमेडिकल प्रोडेक्टों को लेकर बेहद संवेदनशील है। बायोमेडिकल वेस्ट से नए प्रोडेक्ट के निर्माण से जुड़े कई प्रोजेक्टों पर सीआइएबी का फोकस है।
- फूड प्रोडेक्ट इंडस्ट्री का विकास तेजी से हो रहा है। ऐसे में फूड प्रोडक्ट की जांच से लेकर उनकी गुणवत्ता और उनसे होने वाले प्रभावों को लेकर शोध कार्य निरंतर चलते है। औद्योगिकी इकाइयां स्वयं सीआइएबी को कई बड़े प्रोजेक्ट देती है।

फंडामेंटल रिसर्च कारगर साबित होगी : डॉ. सांगवान

सीआइबी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर डॉ. आरएस सांगवान ने बताया कि सीआइबी एडवांस रिसर्च को बढ़ावा देती है। विवि में फंडामेंटल रिसर्च होती है, जो हमारे लिए बेहद कारगर साबित होगी। शोध को लेकर सीआइबी की अत्याधुनिक तकनीकों व गुजवि के शोधार्थियों के साथ से कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती है। सीआइबी फूड प्रोडक्टस और फूड न्यूट्रीशियन को लेकर भी काम करता है। ऐसे में उन पर लगातार शोध कार्य व प्रोजेक्ट चलते रहते है। इस प्रोजेक्टों में गुजवि के शिक्षकों व शोधार्थियों को साथ उन्हें मिलेगा, जिससे वह इन प्रोजेक्टों को बेहतरीन तरीके से अंजाम दे पाएंगे। छात्र सीआइबी में आकर अपने रिसर्च से जुड़े प्रोजेक्टों को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

दैनिक जागरण 18/6/16

बदलाव | बीटैक के सिलेबस में इस बार पाठ्यक्रम में होगा परिवर्तन

थ्री-डी और नैनो प्रिंटिंग पढ़ेंगे गुजवि छात्र

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के सिलेबस में थ्री-डी और नैनो प्रिंटिंग को शामिल किया जाएगा। इसको लेकर विभाग द्वारा थ्री-डी लैब लगाने के लिए प्रिंटर मशीनें भी खरीद की जाएंगी। विवि से बीटैक करने वाले छात्र अत्याधुनिक प्रिंटिंग तकनीकें सीखें, इसलिए बीटैक के सिलेबस में अत्याधुनिक थ्री-डी और नैनो प्रिंटिंग को शामिल किया जाएगा। बीटैक प्रथम वर्ष में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थी प्रिंटिंग की इन अत्याधुनिक तकनीकों को जानेंगे।

- थ्री-डी लैब लगाने के लिए प्रिंटर मशीनों की होगी खरीद

बीटैक के द्वितीय व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को भी थ्री-डी व नैनो प्रिंटिंग के बारे में पढ़ाया जाएगा। फूड प्रिंटिंग को भी सिलेबस में शामिल किया जाएगा। इसको लेकर सप्ताह भर के लेक्चर व लैब की जानकारी दी जाएगी। जिससे विद्यार्थी प्रिंटिंग की मॉडर्न तकनीकों से रुबरु हो सकें। प्रिंटिंग इंडस्ट्री में हो रहे बदलावों से भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया जाएगा ताकि डिग्री के बाद प्लेसमेंट में भी विद्यार्थियों को किसी तरह की दिक्कत न हो सके।

पैकेजिंग लैब भी होगी तैयार

गुजवि प्रिंटिंग विभाग द्वारा इस वर्ष से बीटैक पैकेजिंग भी आरंभ की जाएगी। पैकेजिंग इंडस्ट्री में बढ़ रही संभावनाओं को देखते विवि यह कोर्स दोबारा से आरंभ कर रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पैकेजिंग इंडस्ट्री काफी बढ़ रही है। खासकर फूड पैकेजिंग के क्षेत्र में काफी संभावनाएं बढ़ रही है।

विवि में आरंभ किए जा रहे कोर्स को लेकर विभाग द्वारा लैब तैयार भी की जाएगी। इसको लेकर आगामी सप्ताह में विभाग के शिक्षक दिल्ली व कलकता में मशीनें देखने भी जा रहे हैं। विभाग में पैकेजिंग कोर्स के लिए नई फैकल्टी भी नियुक्त की जाएगी। इसको लेकर विभाग ने छह शिक्षकों की डिमांड भेजी है।

लैब तैयार होगी

थ्री-डी और नैनो प्रिंटिंग को सिलेबस में शामिल किया जाएगा। जिससे विद्यार्थी अत्याधुनिक तकनीकों के बारे में जान सकेंगे। पैकेजिंग लैब भी तैयार करवाई जाएगी।

-अंबरीश पांडे

चेयरमैन, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग

हरि भूमि - 22/6/16

गुजवि में दाखिले के लिए अब 9000 से अधिक आवेदनं प्राप्त

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में दाखिलों को लेकर विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों की एमएससी, एमटैक, एमबीए, एमकॉम तथा एमएससी इकोनोमिक्स, आदि के लिए मंगलवार की दोपहर तक 9000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो गत वर्ष से 1000 ज्यादा हैं। ऑनलाइन आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 23 जून 2016 है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की रैंकिंग में देशभर में 24वें रैंक, हरियाणा प्रांत में पहले रैंक तथा देशभर के तकनीकी विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर होने कारण देशभर के विद्यार्थियों में यह विश्वविद्यालय विशेष पसंद बनकर उभरा है। लगातार तीन बार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैगलूरू द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त कर चुके इस विश्वविद्यालय ने इस सत्र से पांच नए कोर्स शुरू किए हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में बहुत अच्छा शैक्षणिक वातावरण है जिसे निरन्तर और अधिक उच्च स्तर का बनाया जा रहा है। विश्वविद्यालय में अधिकतर सुविधाएं राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की हैं। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों को भी विश्वविद्यालय में समय-समय पर आमंत्रित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के बीटैक कोर्सिज में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी हरियाणा स्टेट टैक्नीकल एजुकेशन सोसायटी की वैबसाईट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया का संचालन विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सैंटर के हैड मुकेश कुमार अरोड़ा की देख-रेख में किया जा रहा है।

मुकेश कुमार अरोड़ा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सैंटर में आवेदन भरने की व्यवस्था है जिसका विद्यार्थी व अभिभावक भरपूर फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करवाने की आवश्यकता नहीं है। जिन विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली है वे अपनी यूजर आइडी के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र ऑनलाइन प्रिंट कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से अलग से प्रवेश पत्र नहीं भेजे जाएंगे।

इन पाठ्यक्रमों में हो रहे हैं गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में दाखिले :

एमटैक कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग, एमटैक इन्वायर्नमैंटल साईंस एंड इंजीनियरिंग, एमटैक इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमटैक मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमटैक प्रिंटिंग टैक्नॉलोजी, एमटैक नैनो साईंस एंड टैक्नॉलोजी, एमटैक ऑप्टिकल इंजीनियरिंग, एमटैक फूड इंजीनियरिंग, एमटैक जियोइन्फोर्मेटिक्स, एमटैक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, मास्टर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी द्वितीय वर्ष (एलईईटी), मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स द्वितीय वर्ष (एलईईटी), एमएससी साइकॉलोजी, एमएससी बायोटैक्नॉलोजी, एमएससी माइक्रोबायोलोजी, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी इन्वायर्नमैंटल साईंस, एमएससी फूड टैक्नॉलोजी, एमएससी मास कम्युनिकेशन, एमएससी मैथेमेटिक्स, एमएससी फिजिक्स, एमएससी इकोनोमिक्स, एमबीए, एमकॉम, मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी तथा बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी।

पांच बजे - 22/6/2016

गुजवि प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी का सिलेबस करेगा अपग्रेड

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के सिलेबस में वक्त के साथ बदलाव की जरूरत प्रिंटिंग के शिक्षकों को महसूस होने लगी है। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग विभाग के शिक्षकों ने भी प्रिंटिंग के सिलेबस को अपग्रेड करने की योजना बनाई है। प्रिंटिंग के सिलेबस में नैनो प्रिंटिंग व थ्री डी प्रिंटिंग को जोड़ा जाएगा।

जो मौजूदा समय की मांग है। इन दिनों टेक्नोलॉजी से जुड़ने से प्रिंटिंग का सिलेबस भविष्य की मांग के अनुरुप हो जाएगा। वहीं पैकेजिंग की मांग भी ऑल वर्ल्ड में बढ़ रही है। यही वजह है कि पैकेजिंग के लिए विशेष लैब व मशीनें विभाग की ओर से मंगाई जा रही है।

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. अम्बरीश पांडे ने बताया कि प्रिंटिंग के सिलेबस को अपग्रेड करने की तैयारी शुरू हो गई है। जल्द ही सिलेबस को अपग्रेड कर दिया जाएगा, जो मौजूदा समय की मांग है। सभी शिक्षकों से विचार विमर्श के बाद सिलेबस में थ्री डी व नैनो टेक्नोलॉजी को जोड़ा जाएगा। यह एक अहम कदम विभाग की ओर से उठाया जा रहा है। मौजूदा समय में पढ़ाया जा रहा है सिलबेस अच्छा जरूर है मगर इंडस्ट्री के अनुरूप नहीं है। विश्वविद्यालय में पैकेजिंग को बढ़ावा देने के लिए छह शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। जो जल्द ही पूर्ण हो जाएगी।

गुजवि में विभिन्न कोर्सों के लिए आए 9 हजार से ज्यादा आवेदन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिलों को लेकर विद्यार्थियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों की एमएससी, एमटेक, एमबीए, एमकॉम तथा एमएससी इकोनोमिक्स आदि के लिए मंगलवार की दोपहर तक 9 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं जो गत वर्ष से एक हजार ज्यादा है।

ऑनलाइन आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 23 जून है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की रैंकिंग में देशभर में 24 वें रैंक, हरियाणा प्रांत में पहले रैंक तथा देशभर के तकनीकी विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर होने कारण देशभर के विद्यार्थियों में यह विश्वविद्यालय विशेष पसंद बनकर उभरा है। विश्वविद्यालय लगातार तीन बार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बैगलूरू द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त कर चुका है। विश्वविद्यालय ने इस सत्र से पांच नए कोर्स शुरू किए हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में बहुत अच्छा शैक्षणिक वातावरण है जिसे निरन्तर और अधिक उच्च स्तर का बनाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में अधिकतर सुविधाएं राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की है। विश्वविद्यालय के बीटेक कोर्सिज में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी हरियाणा स्टेट टेक्नीकल एजुकेशन सोसायटी की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया का संचालन विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर के हेड मुकेश कुमार अरोड़ा की देख-रेख में किया जा रहा है।

◆ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी व पैकेजिंग से जुड़ी मशीनों के दिए आर्डर

◆ नैनो और थ्री डी टेक्नोलॉजी को सिलेबस में जोड़ा जाएगा

दोनों ट्रेड को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोनों में ही छात्रों को भविष्य सुरक्षित है। प्रिंटिंग के सिलेबस को अपग्रेड करने की तैयारी शुरू हो गई है। जल्द ही अपग्रेड कर दिया जाएगा।

डॉ. अम्बरीश पांडे, विभागाध्यक्ष, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग, गुजवि

जर्मनी गए तो भांपा भविष्य

डॉ. अम्बरीश पांडे ने बताया कि वह पिछले दिनों जर्मनी गए थे। वहां वह एक कार्यशाला में शामिल हुए। वहां पर प्रिंटिंग से ज्यादा पैकेजिंग से जुड़ी मशीनों पर फोक्स किया गया था। जब गंभीरता से वहां बड़ी कंपनियों से बातचीत की गई तो पैकेजिंग के भविष्य के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि पैकेजिंग के लिए मार्केट बहुत बड़ी है। इस ट्रेड में छात्रों को भविष्य बेहतरीन है। छात्रों की मांग इस इंडस्ट्री में लगातार बढ़ रही है।

नई मशीने मंगाई

पैकेजिंग व प्रिंटिंग से जुड़ी नई मशीने वर्ल्ड बैंक की ग्रांट से मंगाई गई है। कुछ अन्य मशीनों को मंगाने को लेकर शिक्षक विश्वविद्यालयों व कंपनियां का दौरा करेंगे। उसके बाद कुछ अपग्रेड मशीनें मंगवाएगे। फिलहाल प्रिंटिंग से जुड़ी कुछ मशीनें मंगवाई गई है। साथ ही पैकेजिंग के लिए विशेष लैब भी जल्द ही स्थापित करने की तैयारी है।

दैनिक जागरण - 22/6/2016

प्रिंटिंग विभाग एल्युमिनी को बुलाकर दिलवाएगा लैक्चर, प्लेसमेंट में भी ली जाएगी मदद

एल्युमिनी निखारेंगे छात्रों की प्रिंटिंग दक्षता

- नए विद्यार्थियों की प्लेसमेंट में भी मदद ली जाएगी

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग विभाग के विद्यार्थियों की दक्षता निखारने में एल्युमिनी मदद करेंगे। विभाग द्वारा पुराने विद्यार्थियों को बुलाकर कक्षाओं में उनके लेक्चर दिलवाने की भी तैयारी है, ताकि प्रिंटिंग के स्टूडेंटस इंडस्ट्री में आ रहे बदलाव से वाकिफ हो सकें। इसके साथ ही विभाग के एल्युमिनी जो प्रिंटिंग इंडस्ट्री में कार्यरत हैं, उनसे नए विद्यार्थियों की प्लेसमेंट में भी मदद ली जाएगी।

विभाग की बीटैक प्रिंटिंग के सिलेबस में भी

बदलाव की तैयारी है। नए सिलेबस में थ्री डी और नैनो प्रिंटिंग को शामिल किया जा रहा है। इस समय प्रिंटिंग की यह तकनीकें चलन में हैं। इसी तरह एल्युमिनी जो इंडस्ट्री में कार्यरत हैं, उनको विद्यार्थियों से रुबरु करवाकर उनको वर्तमान इंडस्ट्री के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दिलवाई जाएगी। जिससे विद्यार्थी डिग्री समाप्त करके जॉब के लिए तैयार हो सकें। डिग्री के दौरान ही उनको इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों और नई तकनीकों का ज्ञान करवाया जा सके, इसलिए विभाग ने नई योजना तैयार की है।

प्रिंटिंग विभाग इससे पूर्व भी एल्युमिनी मीट का आयोजन करवाकर अपने पूर्व विद्यार्थियों को विभाग के साथ जोड़े है। एल्युमिनी मीट के जरिए विवि से डिग्री कर रहे विद्यार्थियों को भी पूर्व विद्यार्थियों के साथ उनके अनुभव सांझा करने का मौका मिलता है।

एल्युमिनी विभाग भी बनाया

गुजवि में पहली बार एल्युमिनी के लिए अलग से विभाग बनाया गया है। पहली बार डीन ऑफ एल्युमिनी की नियुक्ति की गई है। इनका कार्य विवि से पास आउट होकर इंडस्ट्री से जुड़े पूर्व विद्यार्थियों का डाटा एकत्रित रखना है। साथ ही समय-समय पर एल्युमिनी के लिए कार्यक्रम आयोजित कर विवि के विद्यार्थियों को भी इसका लाभ दिलवाया जाएगा।

लेक्चर करवाने की भी तैयारी

प्रिंटिंग इंडस्ट्री में गए विभाग के पूर्व छात्रों को इंडस्ट्री के उतार चढ़ावों के बारे में जानकारी होती है। एल्युमिनी के लेक्चर भी करवाए जाने की तैयारी है, जिससे विद्यार्थी इंडस्ट्री के बारे में जान सकें।

-प्रो. अंबरीश पांडे
चेयरमैन, प्रिंटिंग विभाग

जीजेयू में एप्टीट्यूड टैस्टिंग लैब की स्थापना

हिसार, 24 जून (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार विद्यार्थियों के व्यक्तित्व की विशिष्ट क्षमताओं को वैज्ञानिक तरीके से पहचानेगा तथा विद्यार्थियों का उनके भविष्य निर्माण में सहयोग करेगा। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में इस उद्देश्य से एप्टीट्यूड टैस्टिंग लैब की स्थापना की गई है जो मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप राणा के दिशानिर्देशन में कार्य करेगी। इस प्रकार की लैब स्थापित करने वाला गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार हरियाणा प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह एक स्थापित तथ्य है कि हर व्यक्ति में विशिष्ट प्रकार की योग्यता होती है। अब समय इससे भी आगे सोचने का है। यह जानना जरूरी है कि किसी भी व्यक्तित्व में वह विशिष्ट योग्यता क्या है तथा इस योग्यता का किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है। विशिष्ट योग्यता का वैज्ञानिक अध्ययन वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। क्योंकि इससे राष्ट्र व समाज के निर्माण में क्रांतिकारी योगदान प्राप्त हो सकता है। प्रो. संदीप राणा ने बताया कि लैब की स्थापना हर पहलु को ध्यान में रखते हुए काफी अध्ययन के बाद की गई है। यह लैब विद्यार्थियों के कौशल विकास, व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके जीवन को संतुष्टिदायक बनाने में सहयोग करेगी। लैब में सभी आवश्यक टैस्टों की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है तथा लैब के लिए अन्य आधारभूत ढांचा भी स्थापित किया जा चुका है। न केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व अभिभावक बल्कि कोई भी विद्यार्थी व अभिभावक लैब में आकर लैब की सुविधाओं का लाभ उठा सकता है।

पाञ्चजन्य - 24/6/16

अच्छी शुरुआत | हिसार के गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने बेटियां बढ़ाने और पढ़ाने के लिए शुरू की योजना

जीजेयू की अनूठी पहल: माता-पिता के सिर्फ बेटी है तो 34 पाठ्यक्रमों में एक-एक सीट पर आरक्षण

मनोज कौशिक | हिसार

आरक्षण के लिए भभके प्रदेश में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) ने आरक्षण को लेकर ही एक अच्छी शुरुआत की है।

विवि प्रशासन ने 34 पाठ्यक्रमों में एक-एक उन बेटियों के लिए आरक्षित की हैं, जो इकलौती संतान हैं या जिनके एक और बहन है (भाई नहीं)। 34 सीटों के लिए अब तक 164 आवेदन आए हैं। इस ऑफर के तहत जिन घर में दो बहनें हैं और दोनों ने ही आवेदन किया है, उनमें से एक को ही मौका मिलेगा। एंट्रेस टेस्ट के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर दाखिले किए जाएंगे। जीजेयू में 34 कोर्स में कुल 947 सीटें हैं।

माता-पिता कहते हैं, बेटी है तो क्या, खुल के जीओ

बीएसी-एमएससी इयूल कोर्स में अप्लाई करने वाली प्रोफेसर कॉलोनी निवासी मुस्कान का कहना है कि वह इकलौती हैं, लेकिन उसके मां-बाप ने बेटे से ज्यादा प्यार दिया है। पिता विजय कुमार ने कहा बेटी है तो क्या खुल की जिए। वहीं नागोरी गेट निवासी और पुण्यश्या ने कहा कि इस तरह की पहल ही बेटियों को आगे लेकर जाती हैं, पापा संजीव ने कहा- मौका मिले तो क्या नहीं कर सकती बेटियां। इसी तरह पुष्पा, रुचि, रविता का कहना था कि दो दिन अब लद गए जब बेटे ही सब कुछ होते थे।

मेनका ने बेटियों की स्थिति पर किया था कटाक्ष

4 जून को केंद्रीय बाल विकास एवं परिवार कल्याण मंत्री मेनका गांधी जब रोहतक में आईं तो उन्होंने हरियाणा में लिंगानुपात की स्थिति और उसकी छवि पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि हरियाणा तो मशहूर हो गया है लड़की कम पैदा करने के मामले में। हाल यह है कि जब भी उत्तराखंड से कोई लड़की अपहृत होती है तो पुलिस वाले कहते हैं कि किसी हरियाणवीं ने ही उसका अपहरण किया होगा।

सरकार की मुहिम

बता दें कि पीएनडीटी एक्ट के तहत भ्रूणहत्या की जानकारी देने वाले को प्रदेश सरकार एक लाख रुपए का इनाम दे रही है। करीब डेढ़ साल पहले प्रधानमंत्री ने बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत पानीपत से की थी। वहीं वर्ष 2011 की गणना में प्रति हजार लड़कों पर 823 लड़कियों का आंकड़ा है।

बेटियों के विकास से जुड़ी है देश की तरक्की : प्रो. टंकेश्वर

जिन घरों में इकलौती बेटी या सिर्फ बेटियां हैं उन बेटियों को पढ़ाने व उनके चौतरफा विकास पर विशेष ध्यान होना चाहिए, ताकि बाकी ऐसी ही बेटियां व उनके अभिभावक प्रेरित हों। इसी सोच से यह कांसेप्ट शुरू किया गया है, यह स्कीम तो हर विवि में होनी चाहिए, अच्छी बात है कि हरियाणा में इसकी शुरुआत यहां से हो गई है।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

दैनिक भास्कर - 26/6/16

जीजेयू में पीएचडी स्कॉलर को मातृत्व अवकाश के लिए मंत्रालय ने दी मंजूरी

अब लेक्चर शॉर्ट होने की स्थिति में परीक्षा न दे पाने की नौबत नहीं आएगी

- जीजेयू की पहल को देख यूजीसी ने सभी टेक्निकल यूनिवर्सिटी को स्कीम लागू करने के दिए निर्देश

भास्कर न्यूज | हिसार

सिंगल गर्ल्स चाइल्ड स्कीम के बाद बेटियों को पढ़ाने की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए जीजेयू ने एक और अनूठी पहल की है। इसके तहत अब पीएचडी के दौरान महिला स्कॉलर को 45 दिन का मातृत्व अवकाश मिल सकेगा। इससे अब लेक्चर शॉर्ट होने की स्थिति में परीक्षा न दे पाने की नौबत नहीं आएगी। इसी सुविधा को इसी सत्र से लागू करने के प्रस्ताव पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने मोहर भी लगा दी है।

जीजेयू कुलपति की ओर से लिए गए इन दोनों फैसलों के बाद प्रदेश ही नहीं बाकी राज्यों में भी विवि की योजनाओं का विषय चर्चा में बना हुआ है। साथ ही इन योजनाओं को सभी जगह लागू किया जा सके इसके लिए सरकार का भी सकारात्मक रूख नजर आ रहा है। वहीं मातृत्व अवकाश लेने के दौरान करवाई गई पढ़ाई से आवेदक अछूता न रहे इसके लिए भी व्यवस्था की जाएगी।

महज छुट्टी नहीं, बाद में पढ़ाने की भी व्यवस्था

जीजेयू पीएचडी महिला स्कॉलर को 45 दिन का मातृत्व अवकाश तो देगा ही साथ ही इन दिनों में छूटे हुए लेक्चर में क्या पढ़ाया गया, इसके बारे में स्कॉलर को बताया भी जाएगा। इससे दो फायदे होंगे एक तो स्कॉलर के साथ पेपर दे पाएगा तो साथ ही उसकी शिक्षा भी प्रभावित नहीं होगी। ऐसा होने से बेटियों को आगे बढ़ने में काफी प्रोत्साहन मिलेगा।

दोनों स्कीम लागू करने की खास वजह

सिंगल गर्ल्स चाइल्ड और मातृत्व अवकाश देने की दोनों ही स्कीम लांगू करने की प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खास वजह बताई है। उन्होंने बताया कि पीएचडी करने वाली एक छात्रा ने कहा कि उसे मातृत्व अवकाश तो मिल जाएगा, लेकिन लेक्चर शॉर्ट होने की वजह से वह एग्जाम तो नहीं दे पाएगी और यह कहते हुए वह रोने लगी। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि मातृत्व अवकाश देने पर एग्जाम में बैठने से नहीं रोका जाएगा। वहीं इकलौती बेटी पढ़े उसे बेटों की तरह ही तवज्जो मिले इसके लिए सिंगल गर्ल्स चाइल्ड स्कीम लागू की गई।

सिंगल गर्ल्स चाइल्ड स्कीम पर यूजीसी की यह है गाइडलाइन

सिंगल गर्ल्स चाइल्ड स्कीम के प्रावधान को देखते हुए यूजीसी ने इस बारे में संज्ञान लेते हुए नई गाइडलाइन जारी की है। जिसमें लिखा गया है कि जीजेयू की तरह ही बाकी सभी टेक्नीकल यूनिवर्सिटियों में भी स्कीम को लागू किया जाए, ताकि इकलौती बेटियों को हर कोर्स में एक अतिरिक्त पर दाखिला लेने का अवसर मिल सके।

मंजूरी से सकारात्मक परिणाम होंगे

मातृत्व अवकाश स्कीम की स्वीकृति के लिए मंत्रालय को पत्र लिखा गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है। प्रधानमंत्री की ओर से सभी विवि में मातृत्व अवकाश स्कीम लागू करने का संदेश दिया गया है। टेक्नीकल विवि में सिंगल गर्ल्स चाइल्ड स्की लागू होने से ज्यादा फायदा होगा और बेटियों को लेव सकारात्मक परिणाम होंगे।" प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दैनिक भास्कर - 27/6/16

जोश व उत्साह के साथ परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थी

गुजवि में बीएससी-एमएससी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथेमेटिक्स व बायो टेक्नोलॉजी के लिए दी प्रवेश परीक्षा

संवाद सहयोगी, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को ड्यूल डिग्री बीएससी-एमएससी, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथेमेटिक्स व बायो टेक्नोलॉजी में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 1652 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इन कोर्सिज के लिए 1800 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सोमवार को ही परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.जीजेयूएसटी.एसी.इन पर देख सकते हैं। परीक्षा के दौरान पूरी तरह पारदर्शिता बरती गई। परीक्षा केंद्रों व परीक्षा कक्षों की विडियोग्राफी भी कराई गई है। विभिन्न स्थानों पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए थे। विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि परीक्षा संचालन के लिए विश्वविद्यालय में आठ परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए थे। विश्वविद्यालय में कुल 140 शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी परीक्षा ड्यूटी पर तैनात थे।

गुजवि में प्रवेश परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी। जागरण

गुजवि में दूरवर्ती शिक्षा की परीक्षा 30 जून से

जासं, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 30 जून से 23 जुलाई तक होंगी। परीक्षाओं के संचालन के लिए 25 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एसएल सैनी ने बताया कि परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इसके लिए परीक्षा केन्द्रों व संचालन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक एसएल सैनी ने बताया कि पीजीडीसीए/एमसीए (तीन वर्षीय) प्रथम सेमेस्टर (रीअपीयर), पीजीडीसीए/एमसीए

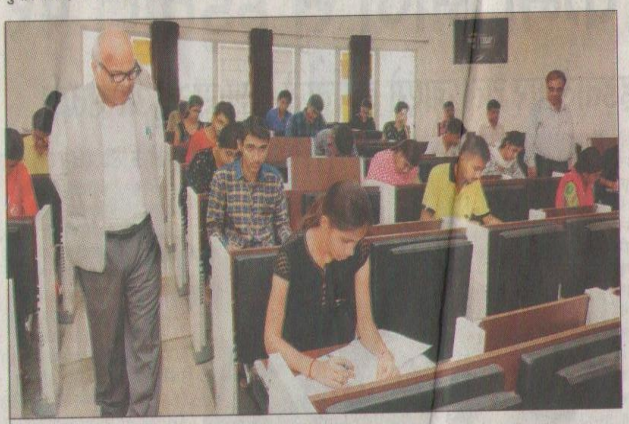

परीक्षा परीक्षा के दौरान केंद्र का निरीक्षण करते गजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। जागरण

गुजवि में प्रवेश परीक्षा देते विद्यार्थी। जागरण

जीजेयू : ऑप्टिकल इंजीनियरिंग में एमटेक कोर्स का एकमात्र विवि

पढ़ाई के बाद कॅरिअर बनाने की सर्वाधिक संभावनाएं, शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय भारत का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसमें एमटेक में ऑप्टिकल इंजीनियरिंग कोर्स की पढ़ाई होती है। हालांकि युवाओं को इस कोर्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन इस विषय में पढ़ाई के बाद कॅरिअर बनाने की सर्वाधिक संभावनाएं हैं। शत-प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी है। कोर्स के दौरान फाइबर कम्यूनिकेशन, लेजर कम्यूनिकेशन और ऑप्टिकल डिजाइन जैसे विषयों पर पढ़ाई होती है। देश के गिने चुने ही ऐसे केंद्रीय संस्थान हैं, जहां यह कोर्स करवाया जाता है। उत्तर भारत में तो केवल आईआईटी दिल्ली और जीजेयू विश्वविद्यालय में ही यह कोर्स करवाया जाता है। विश्वविद्यालय में पढ़ाई

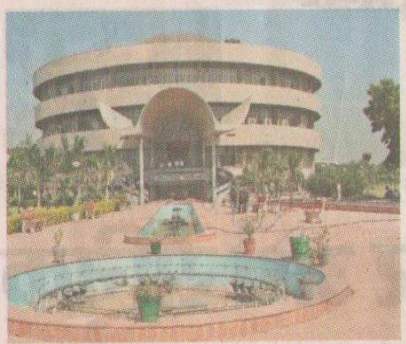

डीआरडीओ से मिली साढ़े तीन करोड़ की मशीन

ऑप्टिकल इंजीनियरिंग करने के बाद शायद ही कोई ऐसा विद्यार्थी होगा, जो सेटल ना हो। हमारे विद्यार्थी इसरो, डीआरडीओ और विदेशों की कई बड़ी कंपनियों में वैज्ञानिक हैं। डिफेंस में वैज्ञानिक बनना भी एक बहुत बड़ा विकल्प है। आईआरडीई से एमओयू के तहत अभी 12 जून को हमारे विद्यार्थी देहरादून विजिट करने भी जाएंगे। - डॉ. डेविड जोसेफ, प्रोफेसर, ऑप्टिकल इंजीनियरिंग विभाग जीजेयू

जीजेयू के छात्र हैं इसरो और विदेशों में वैज्ञानिक : जीजेयू में ऑप्टिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र इसरो और डीआरडीओ तक में वैज्ञानिक हैं। यहां से पास आउट होने वाला प्रत्येक छात्र कहीं न कहीं जॉब कर रहा है। कुछ छात्र अपनी कंपनी चला रहे हैं तो कुछ देश की विभिन्न कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय में एलिक्सोमीटर नामक मशीन जीजेयू के ही एक विद्यार्थी की कंपनी से खरीदी गई है। इसके अलावा यहां से पास आउट विद्यार्थी विदेशों में वैज्ञानिक के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यहां से निकलने वाले विद्यार्थियों के लिए डिफेंस में वैज्ञानिक बनना भी एक बड़ा विकल्प है।

इन विषयों पर होती है रिसर्च

फाइबर कम्यूनिकेशन : कम्यूनिकेशन में किसी तरह की रुकावट न आए इसके लिए नई रिसर्च की जाती है। उदाहरण के तौर पर सिग्नल लॉस न हो, इसके लिए आजकल हर जगह फाइबर वायर बिछाई जा रही है।

पांच विदेशी छात्रों ने भी जीजेयू में किया आवेदन

राजकीय कॉलेज में दाखिले के आवेदन जमा कराते स्टूडेंटस (बाएं) हिसार के राजकीय कॉलेज में एसएफआई के सदस्य हेल्प डेस्क लगाकार मदद करते हुए।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू में इस बार विदेशों से आए कुल 5 आवेदनों में से 3 को कैंसिल कर दिया गया है। जबकि बाकि बचे 2 में से एक विद्यार्थी को दाखिला पत्र भेज दिया गया है। दूसरे विद्यार्थी की दाखिला प्रकिया जारी है। दोनों विद्यार्थी नेपाल के हैं। इससे पहले भी यूनिवर्सिटी में दो विदेशी विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जिनमें से एक ईरान की छात्रा व दूसरा नेपाल का छात्र है।

जीजेयू में 15 प्रतिशत अतिरिक्त सीटें विदेशी छात्रों के लिए रिजर्व होती हैं। इनमें से भी 5 प्रतिशत उन भारतीय लोगों के बच्चों के लिए रिजर्व होती है। जो खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। इसके तहत इस सैशन में यूनिवर्सिटी में पांच विद्यार्थियों ने दाखिले के लिए अप्लाई किया था। जिनमें से चार नेपाल और एक विद्यार्थी अफगानिस्तान से है। अफगानिस्तान के विद्यार्थी और नेपाल के दो विद्यार्थियों का आवेदन अपीयरिंग होने के कारण रद्द कर दिया गया है। इनमें से एक विद्यार्थी ने आर्कीटेक्चर के लिए भी अप्लाई किया था, जो विश्वविद्यालय में उपलब्ध नहीं है। जबकि अन्य दो विद्यार्थियों की दाखिला प्रकिया जारी है। विदेशी स्टूडेंट्स के लिए यह छूट भी होती है कि वे यूनिवर्सिटी में कभी भी आवेदन करें। लेकिन उनकी दाखिला मई से अगस्त के बीच ही होता है।

इंजीनियरिंग और एमबीए में लेंगे दाखिला

जीजेयू के इंटरनेशनल स्टूडेंटस अफेयर के डीन डा. संजीव कुमार ने बताया कि नेपाल से आवेदन करने वाले स्टूडेंटस में से एक विद्यार्थी इंजीनियरिंग में तथा दूसरा विद्यार्थी एमबीए में दाखिला लेगा। एमबीए में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी के डॉक्यूमेंट वैरिफाई हो चुके हैं तथा उसे दाखिले के लिए पत्र भेजा जा चुका है। जबकि दूसरे विद्यार्थी की दाखिला प्रकिया चल रही है। जल्द ही उसे भी एडमिशन लैटर भेज दिया जाएगा।

अमर उजाला - २१/६/१६